प्राथमिक समूह की विशेषता
(Characteristics of Primary Group)

प्राथमिक समूह व्यक्तियों का एक छोटा सा संगठन है। जिसमें अत्यधिक घनिष्ठता, उद्देश्यों की समानता अपनापन की भावना, सहानुभूति व सहयोग पाया जाता है। परिवार, क्रीड़ा समूह और पड़ोस इसके महत्त्वपूर्ण उदाहरण है। प्राथमिक समूह की प्रकृति को अच्छे ढंग से समझने के लिए इनकी विशेषताओं को जानना अनिवार्य है। प्राथमिक समूह की विशेषताएँ निम्नलिखित है:—

(1) आमने - सामने का संबंध (Face to Face Association):— प्राथमिक समूह में आमने - सामने के संबंध अधिक देखने को मिलते है। इनके सदस्य बारंबार एक - दूसरे से मिलते है; एक - साथ उठते - बैठते है, एक - दूसरे से कहते सुनते है एवं विचारों का आदान - प्रदान करते है। इस प्रकार की आपसी अन्तःक्रिया व्यक्ति को आमने - सामने लाती है। इसलिए प्राथमिक समूह की विशेषता आमने - सामने का संबंध है।

(2) घनिष्ठ संबंध (Intimate Relation):— प्राथमिक समूह में घनिष्ठ संबंध पाया जाता है। इनके सदस्यों में निरन्तर गहन अन्तःक्रिया होती रहती है जिससे घनिष्ठ संबंध बनता है। इसके फलस्वरूप ही व्यक्ति प्राथमिक समूह के अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपने विचार व भावों को खुलकर प्रस्तुत करता है। एक - दूसरे पर विश्वास एवं आस्था का होना घनिष्ठता का द्योतक है।

(3) व्यक्तिगत संबंध (Personal Relation):— प्राथमिक समूह में व्यक्तियों के बीच व्यक्तिगत संबंध होते है। इसका तात्पर्य है- अनौपचारिक संबंध। इस समूह में प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे को व्यक्तिगत रूप से पहचानता है, वे घर के व्यक्ति के जैसे होते है,

दिल खोलकर मिलते है, साथ-साथ काम करते है और गोपनीय बातों को भी एक दूसरे से कहने में हिचक का अनुभव नही होता है।

④ छोटा आकार (Small size) :-

प्राथमिक समूह का आकार छोटा होता है। कुछ खास लोग ही इसके सदस्य होते है। समूह का आकार छोटा होने के कारण ही सभी एक दूसरे को व्यक्तिगत रूप से जानते है।

⑤ सार्वभौमिकता (Universality) :-

प्राथमिक समूह प्रत्येक समाज मे पाया जाता है। इसकी संख्या में कमी-बेशी हो सकती है। कुछ विशेषताएँ परिवर्तित हो सकती है, परन्तु प्रत्येक समय में प्रत्येक देश व प्रत्येक समाज में इसका अस्तित्व रहा है। परिवार, क्रीड़ा समूह व पड़ोस जैसे प्राथमिक समूह सभी जगह हमेशा पाये जाते है।

⑥ उद्देश्यों की समानता (Identity of Ends) :-

प्राथमिक समूह के सदस्यों के उद्देश्य एक से होते है, उनमें उद्देश्यों की भिन्नता नही होती है। सभी सबके लिए सोचते है और एक दूसरे के सुख-दुःख को अपना मानते है।

⑦ हम की भावना (We-feeling) :-

प्राथमिक समूह में "हम की भावना" पायी जाती है। इसके सदस्यों में घनिष्ठ संबंध एवं अपनापन होता है। ये संबंध स्थायी होते है। हर एक व्यक्ति समूह का अंग होता है। व्यक्ति का व्यक्तिगत "अंह" गौण हो जाता है। पारस्परिक अंतःक्रिया इतना गहन और

classmate
Date
Page

व्यापक होता है कि व्यक्ति का 'मैं' 'हम' में बदल जाता है। फलस्वरूप प्राथमिक समूह में 'हम की भावना' प्रबल होती है।

⑧ सहयोग की अधिकता (More Co-operation):-
प्राथमिक समूह में सहयोग की अधिकता होती है, यद्यपि हर एक समूह का आधार सहयोग ही है, इसके सदस्य हर पल, हर क्षण एक-दूसरे के लिए कार्यों में सहयोग देते है।

⑨ तुलनात्मक स्थिरता (Relative Permanence):-
प्राथमिक समूह अन्य समूहों की तुलना में अधिक स्थायी होता है, इसके मुख्य दो कारण है - ① इसका निर्माण जान-बुझकर नहीं होता, ये स्वतः विकसित होते है। ② इसका निर्माण किसी विशेष उद्देश्य को लेकर नहीं होता, इसके उद्देश्य सामान्य होते है, वे अधिक स्थायी भी होते है, अर्थात जो समूह स्वतः विकसित होते है, जिनके उद्देश्य सामान्य होते है, वे अधिक स्थायी होते है।

⑩ प्राथमिक (Primary):-
प्राथमिक समूह हर माने में प्राथमिक होते है। एक तरफ इसके संबंध प्राथमिक होते है। इसके अन्तर्गत व्यक्तियों के संबंध स्वाभाविक, घनिष्ठ, व्यक्तिगत व पूर्ण होते है। दूसरी तरफ ये समूह नियन्त्रण के क्षेत्र में भी प्राथमिक होते है। इसके सदस्य एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित होते है और एक-दूसरे को व्यक्तिगत रूप में जानते-पहचानते है। अतः प्रत्येक सदस्य एक दूसरे से नियंत्रित होते है।